

प्रेस विज्ञप्ति

**जामिया के वीसी, प्रोफ़ेसर मज़हर आसिफ़ ने प्रेमचंद अभिलेखागार एवं साहित्यिक केंद्र द्वारा आयोजित पहला कुर्रतुलैन हैदर मेमोरियल लेक्चर दिया**

नई दिल्ली, 12 मार्च, 2026

जामिया के प्रेमचंद अभिलेखागार एवं साहित्यिक केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने मंगलवार, 10 मार्च, 2026 को पहला कुर्रतुलैन हैदर मेमोरियल लेक्चर आयोजित किया। यह व्याख्यान प्रोफ़ेसर मज़हर आसिफ़, माननीय वाइस-चांसलर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने दिया और इसकी अध्यक्षता प्रोफ़ेसर मोहम्मद महताब आलम रिज़वी, रजिस्ट्रार, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने की।

'रूमी और कबीर: एक तकाबुली मोताला' विषय पर बोलते हुए, प्रोफ़ेसर मज़हर आसिफ़ ने यूनिवर्सिटी के फैकल्टी मेंबर्स, स्कॉलर्स और छात्रों की ऑडियंस के सामने एक बहुत ही चिंतनपूर्ण स्कॉलरली लेक्चर दिया। प्रोफ़ेसर आसिफ़ ने रूमी और कबीर दोनों के बारे में विस्तार से बात की, जिनके कई विषयों और मुद्दों पर एक जैसे विचार थे। प्रोफ़ेसर आसिफ़ ने कुरान, हदीस, फ़ारसी, उर्दू और हिंदी कविताओं से बड़े पैमाने पर कोट करते हुए इन विचारों को बहुत डिटेल में समझाया। उन्होंने इंसानी मूल्यों, प्रेम, इंसानियत और लोगों के बीच भाईचारे पर उनके उपदेशों में विचारों की समानता पर ज़ोर दिया। रूमी और कबीर पर उनकी ज्ञानवर्धक बातचीत ने पूरे सेशन के लिए एक प्रेरणा देने वाला माहौल बनाया। दो महान रहस्यवादी कवियों के बीच दार्शनिक और आध्यात्मिक जुड़ाव के बारे में उनकी समझ की गहराई और समृद्धि ने दर्शकों को दुनिया भर में साझा रहस्यवादी परंपराओं पर सोचने का एक दुर्लभ मौका दिया।

प्रोफ़ेसर आसिफ़ ने रजिस्ट्रार प्रोफ़ेसर मोहम्मद महताब आलम रिज़वी को भी धन्यवाद दिया कि उन्होंने सत्र की अध्यक्षता करने और अंतर्राष्ट्रीय संबंध और नीति पर अपनी विशेषज्ञता से छात्रों को जानकारी देने का उनका न्योता स्वीकार किया।

प्रोफ़ेसर इक्तिदार मोहम्मद खान, डीन, भाषा एवं मानविकी संकाय, जेएमआई ने प्रो. मज़हर आसिफ़ के कुरान और अलग-अलग भाषाओं के बारे में विस्तृत ज्ञान की तारीफ़ की।

इस मौके पर, आर्काइवज़ के डायरेक्टर प्रो. शहज़ाद अंजुम ने इवेंट की शुरुआत करते हुए माननीय वाइस चांसलर, प्रो. आसिफ़ को आर्काइवज़ में ऐसी अकादमिक गतिविधि को समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया, जो स्कॉलर्स, छात्रों और फैकल्टी के बीच बहस और चर्चा के स्तर को बढ़ाने में बहुत मदद करती हैं।

कार्यक्रम का समन्वय जेएमआई के उर्दू विभाग के डॉ. खालिद मुबाशशिर ने किया। डॉ. सैयद मोहम्मद आमिर, आर्काइविस्ट ने कुर्रतुलैन हैदर का परिचय उनके बारे में एक छोटा नोट पढ़कर और उनके लेखन को शामिल करके किया। सुश्री स्निग्धा रॉय, आर्काइविस्ट ने वक्ता का परिचय दिया और अकादमिक क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां बताईं। कार्यक्रम का समापन असिस्टेंट आर्काइविस्ट सुश्री श्रद्धा शंकर द्वारा किए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कुर्रतुल ऐन हैदर (1928-2007) एक जानी-मानी भारतीय उर्दू कहानी लेखिका थीं, जो अपने बेहतरीन लेखन के लिए जानी जाती थीं। उन्होंने उर्दू और इंग्लिश दोनों में लिखा, और उनकी रचनाओं का कई

भारतीय भाषाओं में अनुवाद हुआ है। 1989 में, उन्हें भारत का सबसे बड़ा साहित्यिक सम्मान, ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला। उन्हें 2005 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया।

प्रो. साइमा सईद  
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी